

ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024

प्रलिस के लिये:

[वशिव सवासथय संगठन](#), [हेपेटाइटिस](#), [राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नयितरण कार्यक्रम](#), [भारत का सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम](#)

मेन्स के लिये:

वैश्विक एवं भारतीय स्तर पर हेपेटाइटिस की व्यापकता, हेपेटाइटिस से नपिटने की चुनौतियाँ और साथ ही वैश्विक लक्ष्य कैसे प्राप्त कया जा सकता है।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

[वशिव सवासथय संगठन \(WHO\)](#) द्वारा हाल ही में जारी [ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट, 2024](#) में भारत को वायरल हेपेटाइटिस, वशिव रूप से [हेपेटाइटिस B](#) एवं [C](#) संक्रमण का सामना करने वाले देशों में से एक के रूप में सामने आया है।

रिपोर्ट के मुख्य नषिकर्ष क्या हैं?

- **भारत में हेपेटाइटिस की स्थिति:**
 - **भारत में व्यापकता:**
 - भारत वायरल हेपेटाइटिस के सर्वाधिक मामलों वाले देशों में से एक है।
 - भारत में अनुमानित **2.9 करोड़ लोग हेपेटाइटिस B** से तथा **0.55 करोड़ लोग हेपेटाइटिस C** से संक्रमित हैं।
 - वर्ष 2022 में भारत में 50,000 से अधिक नए हेपेटाइटिस B मामले एवं हेपेटाइटिस C के 1.4 लाख नए मामले सामने आए।
 - इन वायरल हेपेटाइटिस संक्रमणों से वर्ष 2022 में भारत में 1.23 लाख लोगों की मृत्यु हो गई।
 - **भारत में हेपेटाइटिस संक्रमण के कारक:**
 - हेपेटाइटिस B तथा C दोनों संक्रमण वभिन्न माध्यमों से फैलते हैं, जनिमें माँ से बच्चे में संचरण, **असुरक्षित रक्त संक्रमण**, संक्रमित रक्त के साथ संपर्क एवं दवा उपयोगकर्ताओं के बीच **सुईयों का लेनदेन** करना शामिल है।
 - रक्त सुरक्षा प्रोटोकॉल में प्रगतिके बावजूद, भारत में माँ से बच्चे में हेपेटाइटिस B का संचरण संक्रमण का प्राथमिक माध्यम बना हुआ है।
 - **नदिन और उपचार कवरेज:**
 - भारत में **हेपेटाइटिस B के केवल 2.4% मामलों** और **हेपेटाइटिस C के 28% मामलों का ही नदिन कया जाता है।**
 - सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता के बावजूद, **हेपेटाइटिस B के लिये 0%** तथा **हेपेटाइटिस C के लिये 21%** उपचार कवरेज और भी कम है।
 - **हेपेटाइटिस के परणामों में सुधार में बाधाएँ:**
 - [राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नयितरण कार्यक्रम](#) की सीमति पहुँच और उपयोग।
 - कार्यक्रम के तहत **कफायती नदिन और उपचार सेवाओं तक पहुँच का वसितार** करने की आवश्यकता है।
 - सवासथय परणामों और संचरण को कम करने के लिये, बीमारी के चरण की परवाह कयि बिना, सभी नदिन कयि गए व्यक्तियों का उपचार करने की आवश्यकता है।
 - **वैश्विक:**
 - **मृत्यु दर रुझान:**
 - वायरल हेपेटाइटिस के कारण वर्ष **2022 में वैश्विक स्तर पर तपेदिक के बराबर अनुमानित 1.3 मिलियन मौतें हुईं।**
 - इन मौतें में से 83% हेपेटाइटिस B के कारण, जबकि 17% मौतें हेपेटाइटिस C के कारण हुईं।
 - मृत्यु दर में बढ़ोतरी लविर कँसर एवं हेपेटाइटिस के कारण होने वाली मौतों में वृद्धिकी ओर संकेत करती है।
 - नए वायरल हेपेटाइटिस संक्रमणों की संख्या वर्ष 2019 में 2.5 मिलियन से घटकर वर्ष 2022 में 2.2 मिलियन हो गई।
 - **व्यापकता:**
 - वैश्विक स्तर पर, वर्ष 2022 में अनुमानित कुल 304 मिलियन लोग हेपेटाइटिस B और C से पीड़ित थे।

- WHO के अनुमान से पता चलता है कि वर्ष 2022 में 254 मिलियन लोग हेपेटाइटिस B से और 50 मिलियन लोग हेपेटाइटिस C से पीड़ित थे।
- इसमें विशेषकर हेपेटाइटिस B से पीड़ित बच्चे कुल 12% थे।
- परीक्षण और उपचार को बढ़ाने में बाधाएँ:
 - फंडिंग की कमी और सीमिति वकिंद्रीकरण ने परीक्षण सेवाओं के वसितार को प्रतबिंधित कर दिया है।
 - कई देश अभी भी उपलब्ध जेनेरिक कीमतों पर हेपेटाइटिस की दवाएँ नहीं खरीद रहे हैं, जिससे इन दवाओं की कीमतें बढ़ रही हैं।
 - कुछ देशों में पेटेंट संबंधी बाधाएँ सस्ती हेपेटाइटिस C दवाओं तक पहुँच में बाधा बनी हुई हैं।

हेपेटाइटिस के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य क्या हैं?

■ परिचय:

- हेपेटाइटिस संक्रामक वायरस (Hepatitis A, B, C, D, E) और गैर-संक्रामक एजेंटों के कारण होता है, जिससे कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएँ होती हैं, जिनमें से कुछ घातक हो सकती हैं।
- हेपेटाइटिस वायरस के पाँच मुख्य प्रकार हैं: **A, B, C, D, व E**, इनमें प्रत्येक के संचरण, गंभीरता, भौगोलिक वितरण और रोकथाम के तरीके अलग-अलग हैं।
- **B व C लीवर सरिसिस** (ऐसी स्थिति जिसमें लीवर ज़ख्मी तथा स्थायी रूप से क्षतगिरस्त हो जाता है), लीवर कैंसर और वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित मौतों का सबसे आम कारण है।
- कुछ अन्य प्रकार के हेपेटाइटिस को टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है और टीकाकरण, नैदानिक परीक्षणों, दवाओं एवं शिक्षा अभियानों के माध्यम से 2030 तक अनुमानित 4.5 मिलियन असामयिक मौतों को रोका जा सकता है।
- WHO की वैश्विक हेपेटाइटिस रणनीतिक लक्ष्य 2016 से 2030 के बीच नए हेपेटाइटिस संक्रमण को 90% और मौतों को 65% तक कम करना है।

■ लक्षण एवं गंभीरता:

- हेपेटाइटिस A, B, C, D, और E में हल्के या कोई लक्षण नहीं देख सकते हैं।
- हेपेटाइटिस A, B व C के लक्षणों में बुखार, अस्वस्थता, भूख न लगना, दस्त, मतली, पेट में परेशानी, गहरे रंग का मूत्र और पीलिया शामिल हैं।
 - क्रोनिक लिवर संक्रमण, सरिसिस और लिवर कैंसर हेपेटाइटिस A, B व C के परिणामस्वरूप हो सकता है।
- हेपेटाइटिस D पहले से ही हेपेटाइटिस B से संक्रमित लोगों में पाया जाता है और अधिक गंभीर संक्रमण व सरिसिस की तीव्र प्रगति का कारण बन सकता है। क्रोनिक हेपेटाइटिस D दुर्लभ है।
- हेपेटाइटिस E के लक्षणों में हल्का बुखार, भूख में कमी, मतली, उल्टी, पेट में दर्द, खुजली, त्वचा पर लाल चकत्ते, जोड़ों में दर्द, पीलिया, गहरे पीले रंग का मूत्र, पीला मल और हेपेटोमेगाली या तीव्र यकृत वफिलता शामिल हैं।



Types of Hepatitis

	TRANSMISSION	PREVENTION	TREATMENT
Hepatitis A	Eating contaminated food or drinking contaminated water	<ul style="list-style-type: none"> Practicing good hygiene Vaccine 	No treatment
Hepatitis B	Through contact with the blood or bodily fluids of an infected person	<ul style="list-style-type: none"> Practicing good hygiene Vaccine Blood screening 	<ul style="list-style-type: none"> Alpha interferon Peginterferon
Hepatitis C	Blood-to-blood contact	<ul style="list-style-type: none"> Practicing good hygiene Avoid sharing needles, toothbrushes, razors or nail scissors 	Direct-acting antiviral drugs
Hepatitis D	Contact with infected blood (only occurs in people already infected with hepatitis B)	<ul style="list-style-type: none"> Hepatitis B vaccine Avoid sharing needles, toothbrushes, razors or nail scissors 	Interferon
Hepatitis E	Eating contaminated food or drinking contaminated water	<ul style="list-style-type: none"> Practicing good hygiene Avoid drinking water that has come from a potentially unsafe source 	No treatment

//

- भारत की पहलें:
 - [राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम |](#)
 - [राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन](#)
 - [भारत का यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम \(UIP\)](#)
- वैश्विक:
 - [वशिव हेपेटाइटिस दविस](#)
 - [WHO 2030 तक हेपेटाइटिस का उनमूलन](#)

आगे की राह

- हेपेटाइटिस B से पीड़ित अनुमानित 40 मिलियन लोगों का उपचार और वर्ष 2026 तक हेपेटाइटिस C से पीड़ित 30 मिलियन लोगों का उपचार, उनमूलन की दशा में पुनः गति प्राप्त करने के लिये महत्त्वपूर्ण है।
 - वायरल हेपेटाइटिस से प्रभावित वशिष्ट उच्च जोखिम वाली आबादी तक पहुँचने के लिये **लक्षित प्रयासों की आवश्यकता** है।
- सभी सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की पहुँच में सुधार हेतु हेपेटाइटिस सेवाओं को **प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल** के समायोजन में

एकीकृत करना।

- फंडिंग और इसका दायरा बढ़ाकर तथा हतिधारकों के बीच समन्वय बढ़ाकर राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम का वसितार एवं सुधार करना। कार्यक्रम के माध्यम से शीघ्र नदिन और उपचार प्रारंभ करने को प्राथमकिता देना।

???????? ???? ?????:

प्रश्न. भारत में वायरल हेपेटाइटिस के लयि परीक्षण और उपचार सेवाओं के वसितार में आने वाली बाधाओं की जाँच कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा कथन सही नहीं है? (2019)

- (a) यकृतशोथ B वषिणु काफी कुछ HIV की तरह ही संचरति होता है।
- (b) यकृतशोथ C का टीका होता है, जबकयकृतशोथ B का कोई टीका नहीं होता है।
- (c) सार्वभौम रूप से यकृतशोथ B और C वषिणुओं से संक्रमति व्यक्तियों की संख्या HIV से संक्रमति लोगों की संख्या से कई गुना अधकि है।
- (d) यकृतशोथ B और C वषिणुओं से संक्रमति कुछ व्यक्तियों में अनेक वर्षों तक इसके लक्षण दिखाई नहीं देते हैं।

उत्तर: (b)

प्रश्न. नमिनलखिति बीमारियों में से कौन-सी टैटू बनवाने के द्वारा एक व्यक्तसे दूसरे व्यक्तमें संचरति हो सकती है? (2013)

1. चकिनगुन्या
2. यकृतशोथ बी
3. HIV-AIDS

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)